DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

6 February, 2024

2020-21 और 2021-22 के लिए उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (2021-22)

***संदर्भ**: MoSPI ने अप्रैल 2020 से मार्च 2021 (ASI 2020-21) और अप्रैल 2021 से मार्च 2022 (ASI 2021-22) के लिए उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण (ASI) परिणाम जारी किए हैं।*

परिणाम/मुख्य निष्कर्ष:

- **सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वृद्धि:**
  - वर्ष 2020-21 के दौरान मौजूदा कीमतों में जीवीए में 8.8% की वृद्धि दर्ज की गई।
  - इसके बाद, 2021-22 के दौरान जीवीए में 26.6% की पर्याप्त वृद्धि हुई।
- **औद्योगिक उत्पादन:**
  - वित्तीय वर्ष 2021-22 में औद्योगिक उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 35% से अधिक की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई।
- **रोजगार वृद्धि:**
  - इस क्षेत्र ने 2021-22 में कुल अनुमानित रोजगार में 7.0% की वृद्धि का अनुभव किया।
  - सर्वेक्षणों के लिए आंकड़े एएसआई 2020-21 के लिए अप्रैल 2022 से नवंबर 2022 तक और एएसआई 2021-22 के लिए मार्च 2023 से सितंबर 2023 तक के शामिल थे।
  - वैश्विक लॉकडाउन के कारण 2020-21 और 2021-22 में महामारी ने रोजगार को व्यापक रूप से प्रभावित किया।
- **एएसआई उद्देश्य:**
  - उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण का उद्देश्य विनिर्माण उद्योगों में परिवर्तन की गतिशीलता में अंतर्दृष्टि प्रदान करना है, जिसमें उत्पादन, मूल्य वर्धित, रोजगार और पूंजी निर्माण जैसे पैरामीटर शामिल हैं।
- **एएसआई 2020-21 परिणाम:**
  - जीवीए ने 8.8% की वृद्धि का प्रदर्शन किया, जो महामारी के कुप्रभाव को संबोधित करता है।
  - विशेष रूप से, 2021-22 में जीवीए में 26.6% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
- **विकास के प्रमुख चालक (2021-22):**
  - पेट्रोलियम उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, मोटर वाहन, खाद्य उत्पाद और रसायनों जैसे उद्योगों ने सामूहिक रूप से कुल जीवीए का 56% योगदान दिया।
  - इन उद्योगों ने 2020-21 की तुलना में 34.4% की जीवीए वृद्धि और 37.5% की उत्पादन वृद्धि दर्ज की।
- **रोज़गार रुझान:**
  - 2020-21 में रोजगार में मामूली गिरावट देखी गई।
  - हालाँकि, 2021-22 में रोजगार में साल-दर-साल 7.0% की वृद्धि हुई।
  - 2021-22 में अनुमानित रोजगार महामारी-पूर्व स्तर से 9.35 लाख से अधिक हो गया।
  - पिछले वर्षों की तुलना में 2020-21 में औसत परिलब्धियाँ 1.7% और 2021-22 में 8.3% बढ़ीं।
- **राज्यवार प्रदर्शन:**
  - गुजरात 2020-21 में जीवीए में शीर्ष पर रहा और 2021-22 में दूसरा स्थान हासिल किया।
  - 2021-22 में महाराष्ट्र पहले और 2020-21 में दूसरे स्थान पर रहा।
  - शीर्ष पांच राज्यों ने कुल विनिर्माण जीवीए में लगभग 53% का योगदान दिया।
- **राज्यवार रोजगार:**
  - तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और हरियाणा रोजगार के मामले में आगे रहे।
  - इन शीर्ष पांच राज्यों ने कुल विनिर्माण रोजगार में लगभग 54% का योगदान दिया।

डेटा संग्रह और नमूनाकरण

- एएसआई में कारखाने, बीड़ी/सिगार प्रतिष्ठान और बिजली उपक्रम शामिल हैं।
- नमूनाकरण रणनीति में जनगणना और व्यवस्थित नमूनाकरण का मिश्रण शामिल है।
- डेटा संग्रह सांख्यिकी संग्रह अधिनियम 2008 के तहत एक समर्पित वेब पोर्टल के माध्यम से निष्पादित किया जाता है।

आरबीआई मौद्रिक नीति समिति की बैठक

***संदर्भ**: आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की 6 से 8 फरवरी तक होनेवाली आगामी बैठक में 4% मुद्रास्फीति लक्ष्य को पूरा करने के लिए रेपो दर को 6.5% पर अपरिवर्तित रखने की संभावना है।*

- मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) लगातार छठी बार रेपो रेट 6.5% पर बरकरार रख सकती है।
- इस दौरान 4% उपभोक्ता मूल्य-आधारित मुद्रास्फीति (सीपीआई) लक्ष्य के अनुरूप होने की उम्मीद है।
- मौद्रिक नीति की इस रुख को उसके पहले के ही रूप में बनाए रखने की उम्मीद है।
- यदि यथास्थिति बरकरार रहती है, तो रेपो दर 6.5% पर बने रहने का समय एक वर्ष पूर्ण हो जाएगा।
- पिछली बार रेपो रेट में 8 फरवरी, 2023 को 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर 6.5% की वृद्धि की गई थी।
- यह बैठक बेंचमार्क ब्याज दरों को 5.25% से 5.5% पर अपरिवर्तित रखने के अमेरिकी फेडरल रिजर्व के निर्णय के तुरंत बाद हो रहा है।

मौद्रिक नीति

- **परिभाषा:**
  - मौद्रिक नीति, केंद्रीय बैंक द्वारा देखरेख की जाने वाली एक व्यापक आर्थिक रणनीति है, जो मुख्य रूप से धन आपूर्ति और ब्याज दरों के प्रबंधन से संबंधित है।
  - यह आर्थिक नीति के एक मांग-पक्ष के रूप में कार्य करता है, जिसका लक्ष्य मुद्रास्फीति नियंत्रण, उपभोग को बढ़ावा देना, निरंतर विकास और वित्तीय प्रणाली में तरलता सुनिश्चित करना जैसे व्यापक आर्थिक उद्देश्यों को प्राप्त करना है।
- **वर्गीकरण:**
  - मौद्रिक नीति को प्रकृति में विस्तारवादी (समायोज्य) या संकुचनकारी (तंग) के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।
  - धन की आपूर्ति बढ़ाकर और ब्याज दरों को कम करके खर्च को प्रोत्साहित करने के लिए एक उदार मौद्रिक नीति लागू की जाती है।
  - इसके विपरीत, एक संकुचनकारी मौद्रिक नीति का उद्देश्य धन आपूर्ति को कम करके और ब्याज दरों को बढ़ाकर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना है
- **मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी):**
  - वर्ष 2016 में आरबीआई अधिनियम में संशोधन करके गठित एमपीसी, भारत में बेंचमार्क ब्याज दर तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
  - इस समिति में छह सदस्य शामिल हैं, जिनमें आरबीआई के तीन अधिकारी और भारत सरकार द्वारा नामित तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं, तथा आरबीआई के गवर्नर अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं।
  - समिति को वार्षिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-आधारित मुद्रास्फीति दर 4% (+/- 2%) बनाए रखने का आदेश दिया गया है और विचलन के मामले में यह भारत सरकार के प्रति जवाबदेह है।

RBI Repo Rate History from 2000 to 8th December 2023

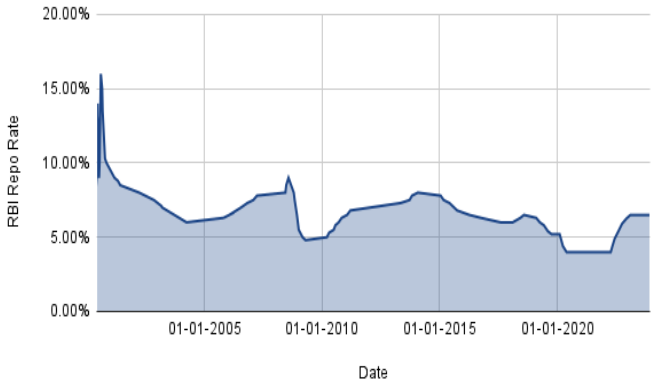

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

6 February, 2024

➢ **मौद्रिक नीति उपकरण:**

- **तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ)**: यह बैंकों को पुनर्खरीद समझौतों (रेपो) के माध्यम से पैसा उधार लेने या रिवर्स रेपो समझौतों के माध्यम से आरबीआई को उधार देने में सक्षम बनाता है।
- **रेपो रेट**: वह दर जिस पर आरबीआई बैंकों को उनकी अल्पकालिक फंडिंग जरूरतों के लिए पैसा उधार देता है।
- **रिवर्स रेपो दर:** वह ब्याज दर जिस पर आरबीआई रिवर्स रेपो समझौतों के माध्यम से बैंकों से तरलता अवशोषित करता है।
- **वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर):** जमा का न्यूनतम प्रतिशत जो वाणिज्यिक बैंकों को तरल संपत्ति के रूप में बनाए रखना चाहिए।
- **सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर:** बैंकों के लिए अपने एसएलआर पोर्टफोलियो का उपयोग करके आरबीआई से रातोंरात उधार लेने के लिए यह दंड दर के रूप में कार्य करता है।
- **बैंक दर:** नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) और वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) सहित उनकी आरक्षित आवश्यकताओं को पूरा करने में कमी के लिए बैंकों पर लगाई जाने वाली दंडात्मक दर है।
- **नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर):** यह कुल जमा का प्रतिशत दर्शाता है जिसे बैंकों को आरबीआई के पास तरल नकदी के रूप में रखना चाहिए।
- **ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ):** इसमें बैंकिंग प्रणाली में टिकाऊ तरलता डालने/अवशोषित करने के लिए आरबीआई द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की एकमुश्त खरीद/बिक्री शामिल है।

वैश्विक रिपोर्टिंग पहल जैव विविधता मानक

संदर्भ: नवीनतम जीआरआई जैव विविधता मानक में जैव विविधता में गिरावट में योगदान देने वाले कारकों और स्वदेशी लोगों पर इसके प्रभावों के प्रकटीकरण की आवश्यकता है।

➢ ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव ने जीआरआई जैव विविधता मानक पेश किया है, जो जैव विविधता हानि के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया को संबोधित करने के लिए एक अद्यतन पारदर्शिता मानक के रूप में कार्य कर रहा है।

विकास और निरीक्षण:

➢ यह मानक एक मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन जीआरआई द्वारा विकसित किया गया था।

➢ इस मानक के निर्माण में वैश्विक स्थिरता मानक बोर्ड (जीएसएसबी) का सहयोग शामिल था, जिसमें विभिन्न प्रतिनिधि संगठनों के सलाहकार शामिल हैं।

उद्देश्य और सीमा:

➢ यह जवाबदेही के लिए एक वैश्विक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य संगठनों को उनके जैव विविधता प्रभावों के बारे में सूचित करना है।

➢ मानक को प्रकृति पर बढ़ते दबाव को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, क्योंकि कई पौधों और जानवरों की प्रजातियों को विलुप्त होने का खतरा है।

कार्यान्वयन समयरेखा:

➢ **जीआरआई 101:** जैव विविधता 2024 शीर्षक वाला दस्तावेज़ 1 जनवरी, 2026 से रिपोर्टिंग में औपचारिक कार्यान्वयन के लिए निर्धारित है।

➢ आधिकारिक कार्यान्वयन से पहले, प्रारंभिक अपनाने वालों को शामिल करने वाले दो साल के पायलट चरण की योजना बनाई गई है।

वैश्विक पहल के साथ संरेखण:

➢ मानक संयुक्त राष्ट्र कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क, विज्ञान-आधारित लक्ष्य नेटवर्क और प्रकृति-संबंधित वित्तीय प्रकटीकरण पर कार्यबल सहित जैव विविधता में महत्वपूर्ण वैश्विक विकास को प्रतिबिंबित और शामिल करता है।

पारदर्शिता पर जोर:

➢ आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता पर जोर देते हुए, मानक स्थान-विशिष्ट प्रभावों, जैव विविधता हानि के प्रत्यक्ष चालकों और स्वदेशी लोगों सहित समुदायों पर प्रभावों को शामिल करता है।

महत्व और प्रभाव:

➢ इस मानक से जैव विविधता प्रभावों के संबंध में पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

➢ यह संगठनों को प्राकृतिक पर्यावरण से परे जैव विविधता के नुकसान के दूरगामी परिणामों को पहचानते हुए, उनके सबसे महत्वपूर्ण प्रभावों को पहचानने और प्रबंधित करने में सक्षम बनाता है।

वैश्विक प्रासंगिकता:

➢ यह मानक संयुक्त राष्ट्र-अनिवार्य सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है, जो जैव विविधता हानि और जलवायु संकट के अंतर्संबंध पर जोर देता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ग्रैमी पुरस्कार

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने संगीतकारों उस्ताद ज़ाकिर हुसैन, राकेश चौरसिया, शंकर महादेवन, सेल्वगणेश वी और गणेश राजगोपालन को 'सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत' के लिए ग्रैमी पुरस्कार जीतने के लिए बधाई दी।

ग्रैमी पुरस्कार के बारे में:

- ग्रैमी अवार्ड, जिसे "द ग्रैमी" के नाम से भी जाना जाता है, संयुक्त राज्य अमेरिका में नेशनल एकेडमी ऑफ रिकॉर्डिंग आर्ट्स एंड साइंसेज (NARAS) द्वारा प्रतिवर्ष दिए जाने वाले पुरस्कारों की एक श्रृंखला है।
- ग्रैमी संगीत उद्योग में असाधारण कार्य को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है।
- इस पुरस्कार में किसी श्रेणी में सबसे अधिक वोटों वाली रिकॉर्डिंग जीतती है और बराबरी पर रहने वाले को विजेता माना जाता है।
- इसमें सभी नामांकित व्यक्तियों को एक नामांकित पदक और प्रमाणपत्र प्राप्त होता है।
- इसे दुनिया भर के संगीत उद्योग में सबसे प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण पुरस्कार माना जाता है।
- इसमें 'जनरल फील्ड' चार पुरस्कारों को संदर्भित करता है जो एल्बम ऑफ द ईयर, रिकॉर्ड ऑफ द ईयर, सॉन्ग ऑफ द ईयर और सर्वश्रेष्ठ नए कलाकार को दिया जाता है।

हिंदू कुश हिमालय

हाल ही में, काठमांडू में इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (ICIMOD) के विशेषज्ञों ने हिंदू कुश हिमालय के प्रकृति विघटन को रोकने के लिए 'साहसिक कार्रवाई' और 'तत्काल वित्त' का आह्वान किया।

हिंदू कुश हिमालय के बारे में:

- हिंदू कुश हिमालय (HKH), पृथ्वी पर सबसे अधिक जैव विविध क्षेत्रों में से एक,'जैवमंडल कगार पर' ('Biosphere on the brink') है और 3,500 किलोमीटर तक विस्तृत है।
- यह क्षेत्र अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, किर्गिस्तान, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान सहित बारह देशों तक फैला हुआ है।
- इसमें हिमालय, तिब्बती पठार और निकटवर्ती पर्वत श्रृंखलाएं शामिल हैं जो इसे एशिया में एक महत्वपूर्ण भौगोलिक इकाई बनाती है।
- हिंदू कुश हिमालय (HKH) क्षेत्र बारह प्रमुख एशियाई नदी प्रणालियों का भी स्रोत है जिनमें अब मृत अरल सागर की ओर सीर दरिया और अमु दरिया, तकलामकन की ओर तारिम, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की ओर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र शामिल हैं। पीली नदी बोहाई की खाड़ी की ओर, यांग्त्ज़ी पूर्वी चीन सागर की ओर, मेकांग दक्षिण चीन सागर की ओर और चिंडविन, साल्विन और इरावदी अंडमान सागर की ओर प्रवाहित होती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

एकीकृत पर्वतीय विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र:

- इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (ICIMOD) एक क्षेत्रीय अंतर-सरकारी शिक्षण और ज्ञान-साझाकरण केंद्र है।
- इसकी औपचारिक रूप से स्थापना और उद्घाटन 5 दिसंबर 1983 को किया गया था इसका मुख्यालय काठमांडू, नेपाल में है।
- यह अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान सहित हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) क्षेत्र के आठ क्षेत्रीय सदस्य देशों (आरएमसी) को सेवा प्रदान करता है।
- इसका मिशन सक्रिय क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से सतत पर्वतीय विकास का समर्थन करना है।
- इसका लक्ष्य हिंदू कुश-हिमालय के लोगों के न्यायसंगत और स्थायी कल्याण को सक्षम और सुविधाजनक बनाना है।

मार्खोर

हाल ही में, एक रूसी नागरिक ने 10 वर्षीय कश्मीर मार्खोर का शिकार करने के लिए ट्रॉफी शिकार परमिट के लिए 51 मिलियन रुपये का भुगतान किया।

मार्खोर (Markhor) के बारे में:

- मार्खोर (कैप्रा फाल्कोनेरी), एक शाकाहारी जानवर, दुनिया की सबसे बड़ी जंगली बकरी प्रजाति है।
- यह मध्य और दक्षिण एशिया का स्थानिक है जहां यह मुख्य रूप से काराकोरम की ऊंचाइयों पर पाया जाता है और पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु है।
- यह लगभग 160 सेमी लंबा होता है और इसका वजन 32 से 110 किलोग्राम के बीच होता है।
- वयस्क नर के सर्पिल सींग 1.6 मीटर तक लंबे हो सकते हैं जबकि मादा के सींग 25 सेमी तक लंबे हो सकते हैं।
- इसमें लाल भूरे रंग का कोट होता है जिसकी पीठ पर एक गहरी धारी होती है।
- इसका फर हल्का भूरा से काला, गर्मियों में चिकना और छोटा और सर्दियों में लंबा और मोटा होता है।
- IUCN रेड लिस्ट ने 2015 से मार्खोर को खतरे के करीब (**Near Threatened**) के रूप में सूचीबद्ध किया है।

टेरोसार

हाल ही में, आइल ऑफ स्काई पर उड़ने वाले सरीसृप या टेरोसॉर की एक अनोखी प्रजाति की खोज की गई है।

टेरोसार (Pterosaur) के बारे में:

- टेरोसॉर लगभग 168-166 मिलियन वर्ष पहले मध्य जुरासिक काल के दौरान रहते थे जिसमें समुद्र तटों और लैगून के साथ एक उपोष्णकटिबंधीय जलवायु थी जो टेरोसॉर के लिए आदर्श थी।
- इसका नाम स्कॉटिश गेलिक शब्द cheò से आया है, जिसका अर्थ है धुंध, और यह आइल ऑफ साइके के गेलिक नाम - इलियन ए' चेओ या आइल ऑफ मिस्ट का संदर्भ है।
- जीवाश्म अवशेषों में पंख, कंधे, पैर और रीढ़ की हड्डी शामिल हैं, खोपड़ीशामिल नहीं है।
- मध्य जुरासिक युग के जीवाश्म अत्यंत दुर्लभ हैं जो इस खोज को महत्वपूर्ण बनाते हैं।
- आइल ऑफ स्काई, स्कॉटलैंड के पश्चिमी तट पर स्थित है, जहां जीवाश्म अवशेष पाए गए थे।

सुर्खियों में स्थल

कैमरून

हाल ही में, कैमरून ने आनुवंशिक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान से लाभ का उचित साझाकरण सुनिश्चित करने के लिए नागोया प्रोटोकॉल को अपनाया है।

कैमरून (राजधानी: याउंडे)

अवस्थित : कैमरून मध्य अफ्रीका में स्थित दुनिया का 53वां सबसे बड़ा देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: कैमरून की सीमा मध्य अफ्रीकी गणराज्य (पूर्व), नाइजीरिया (पश्चिम और उत्तर), चाड (उत्तर पूर्व), इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन और कांगो गणराज्य (दक्षिण) और अटलांटिक महासागर (दक्षिण पश्चिम) के साथ लगती है।

भौतिक विशेषताएं:

- माउंट कैमरून एक सक्रिय ज्वालामुखी है और कैमरून का सबसे ऊँचा स्थान है।
- सनागा नदी कैमरून की सबसे बड़ी नदी है।
- कादेई जो सनागा नदी की एक सहायक नदी है, दक्षिण-पूर्व की ओर कांगो नदी में गिरती है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध: कैमरून संयुक्त राष्ट्र (यूएन), अफ्रीकी संघ (एयू) और राष्ट्रमंडल राष्ट्रों सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में सुर्खियां बटोरने वाला मार्तंड सूर्य मंदिर किस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में स्थित है? - **जम्मू एवं कश्मीर**
- 'ब्लैक-क्राउन्ड नाइट हेरोन' का मुख्य निवास स्थान क्या है, जो हाल ही में खबरों में था? - **आर्द्रभूमियाँ**
- 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल का खिताब किसने जीता? - **आर्यना सबालेंका (बेलारूस)**
- हाल ही में किस राज्य ने 'कलैगनार स्पोर्ट्स किट' योजना शुरू की, जो सुर्खियों में है? - **तमिलनाडु**
- हाल ही में समाचारों में उल्लिखित 'वोल्ट टाइफून' का क्या महत्व है? - **यह एक साइबर-हैकिंग ग्रुप है**